ताइवान से 15 अरब डालर निवेश लाने में जुटा भारत

पीसीबी जैसे पांच सेक्टरों में वहां की कंपनियों को महारत हासिल, फिक्की की मदद से चल रही बात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: उभरते हुए पांच सेक्टर में इन दिनों काफी गंभीरता से ताइवान से निवेश लाने की तैयारी चल रही है। उद्योग संगठन फिक्की का मानना है कि ताइवान से इन पांच सेक्टर में 15 अरब डालर के निवेश की गुंजाइश है। इस संबंध में ताइवान और भारत की कंपनियों की सीईओ स्तर की बैठक भी ताइपे में आयोजित की गई थीं।

मंगलवार को जारी फिक्की की रिपोर्ट के मुताबिक इन पांच सेक्टर में ताइवान की कंपनियों की महारत है और इस निवेश से ताइवान की कंपनियों को भी फायदा होगा। सीईओ स्तर की बैठक में यह बात सामने आई कि इन पांच सेक्टर में 15 अरब डालर तक का निवेश कर ताइवान की कंपनियां 60 अरब डालर का फायदा उठा सकती हैं, क्योंकि पिछले तीन सालों से भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से विकास कर रही है और ये कंपनियां भारतीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने के साथ निर्यात भी कर सकेंगी।

ये हैं उभरते हुए पांच सेक्टर

प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट्स (इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कंपोनेंट्स, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक मोटर्स), सीसीटीवी सिस्टम, स्मार्ट हेल्थकेयर डिवाइस (स्मार्टवाच, हार्टरेट मानिटर, फिटनेस ट्रैकर) और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर

60 अरब डालर का फायदा उठा सकती हैं ताइवानी कंपनियां

सरकार सेमीकंडक्टर मिशन व पीएलआइ स्कीम के तहत निवेश के लिए वित्तीय सहायता भी दे रही

इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट्स की हिस्सेदारी 150 अरब डालर हो जाएगी

2030 तक भारत का सिर्फ इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग का कारोबार 500 अरब डालर का हो जाएगा और इनमें इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट्स की हिस्सेदारी 150 अरब डालर की होगी। इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी भी कुल वाहनों में लगातार बढ़ रही है। दोपहिया वाहनों में यह हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से अधिक हो गई है।

फाक्सकान जैसी कंपनियां पहले से ही भारत में कर रही हैं काम

फिक्की की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत रणनीतिक रूप से भी ताइवान के अनुकूल है। फाक्सकान, विस्ट्रान जैसी कई ताइवानी कंपनियां पहले से भारत में काम कर रही है। फिक्की के मुताबिक चीन से राजनीतिक तनातनी के बाद ताइवान के लिए भारत रणनीतिक रूप से भी जरूरी हो गया है।

6 भारत में कारोबारी मुकाबले का माहौल, युवा आबादी, सरकारी इंसेंटिव और साफ्टवेयर डिजाइनिंग में क्षमतावान युवाओं की बहुतायत की वजह से ताइवानी कंपनियों के निवेश के लिए भारत सबसे अनुकूल जगह है।

-बासुआन गेर, भारत में ताइपे इकोनमिक एंड कल्चर सेंटर के प्रतिनिधि

सरकार सेमीकंडक्टर मिशन और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत निवेश के लिए वित्तीय सहायता भी दे रही है। इसके अलावा उन्हें सस्ता श्रम भी उपलब्ध होगा, क्योंकि भारत में इंजीनियरिंग, विज्ञान व गणित में हर साल लाखों की संख्या युवा ग्रेजुएट हो रहे हैं। हर साल भारत में पांच लाख बच्चे इंजीनियरिंग की डिग्री ले रहे हैं। भारतीय श्रमिकों का मेहनताना भी एशिया के कई देशों से कम है।